Date:
P. No:

Chapter - 05

मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया

प्रश्न 1 चेपबुक तथा चेपमेन का क्या अर्थ है?

चेपबुक :- पॉकेट बुक के आकार की किताबों के लिए इस्तेमाल किया गया शब्द है, इन्हे आमतौर पर फेरीवाले बेचते थे। यह सोहलवीं सदी की मुद्रण क्रांति के समय लोकप्रिय हुए।

चेपमेन :- इंग्लैण्ड में चेपबुक्स बेचने वाले को चेपमेन कहा जाता था।

प्रश्न 2 प्लातेन क्या था?

प्लातेन :- लेटर प्रेस छपाई में प्लातेन एक बोर्ड होता था जिसे कागज के पीछे दबाकर टाईप की छाप को जाता था। यह बोर्ड लकड़ी का होता था बाद में स्टील का बनने लगा।

प्रश्न 3 लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा कौन थे?

उत्तर लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा असमिया साहित्य के एक प्रसिद्ध रचनाकार थे उन्होंने असम का लोकप्रिय गीत "ओ मोर अपुनर देश" (ओ मेरी प्यारी भूमि) लिखा।

Date:
P. No:

"बूढ़ी आइर साधु" [दादी की कहानियाँ] उनकी उल्लेखनीय किताबों में से है।

प्रश्न-4 पंचांग तथा निरंकुशवाद का अर्थ बताइए।

पंचांग :- चाँद सूरज की गति ज्वारभाटा का समय और लोगों के दैनिक जीवन से जुड़ी कई अहम जानकारियाँ देने वाला वार्षिक प्रकाशन पंचांग कहलाता है।

निरंकुशवाद :- राज-काज की ऐसी व्यवस्था जिसमे किसी एक व्यवस्था को सम्पूर्ण शक्ति प्राप्त हो और उस पर कानूनी पाबंदी न हो उस व्यवस्था को निरंकुशवाद कहते है।

प्रश्न-5 पांडुलिपियाँ क्या थी?

पांडुलिपियाँ :- मुद्रण या छपाई से पहले लिखित ज्ञान का माध्यम पांडुलिपियाँ थी। ये पांडुलिपियाँ ताड़ के पत्तों या हाथ से बने कागज पर नकल करके बनाई जाती थी। ये काफी नाजुक होती थी। इनकी उम्र बढ़ाने के लिए इनको सिलकर बाँध दिया जाता था। ये काफी महँगी होती थी। इनको बड़ी सावधानी से पकड़ा और रखा जाता था। इसलिए इनका प्रसारण सीमित था।

Date:
P. No:

प्रश्न-6 डायमण्ड सूत्र क्या है?

डायमण्ड सूत्र :- जापान के सबसे पुराने 868 ई. में छपी पुस्तक है, जिसमे पाठ के साथ लकड़ी पर खुदे चित्र है।

प्रश्न-7 मुद्रण कि क्रांति से आप क्या समझते है?

उत्तर छापेखाने का आविष्कार सिर्फ तकनीकी की दृष्टि से बदलाव की शुरुआत नहीं थी। पुस्तक उत्पादन के नए तरीको ने लोगो की जिंदगी बदल दी जिसकी बदौलत सूचना और ज्ञान से लोगो को चीजो को देखने का नजरिया बदल गया।

प्रश्न-8 उलमा व फतवा से क्या आशय है?

उलमा :- इस्लामी कानून और शरिया के विद्वान उलमा कहलाता है। के।

फतवा :- अनिश्चिय या असमंजस की स्थिति में इस्लामी कानून जानने वाले विद्वान सामान्यत: मुफ्ती के द्वारा की जाने वाली वैधानिक घोषणा।

प्रश्न-9 त्रिपीटका कोरियाना क्या है?

उत्तर तेरहवी शताब्दी के मध्य में तिपीटका, कोरियाना, कुडल्लॉक्स मुद्रण के रूप में बौद्ध ग्रंथो का कोरियाई संग्रह है। इन ग्रंथो को लगभग 80,000 वुडब्लॉक्स पर उकेरा गया था। इन्हे 2007 में यूनेस्को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया।

प्रश्न 10 गाथा गीत से क्या आशय है? [2022]
उत्तर लोकगीत का ऐतिहासिक आरंभिक, जिसे गाया या सुनाया जाता है, गाथा गीत कहलाता है।

प्रश्न 11 कम्पोजीटर व गैली क्या है।
कम्पोजीटर :- छपाई के लिए इबारत कम्पोज करने वाला व्यक्ति
गैली :- धातु फ्रेम, जिसमे टाइप विछाकर इबारत बनाई जाती थी

प्रश्न-13 प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कारक कौन थे?

उत्तर गुटेन्बर्ग, प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कारक थे जो एक व्यापारी के पुत्र थे ये स्ट्रेसबर्ग (यूरोप) के निवासी थे उनके द्वारा सर्वप्रथम छापी गई किताब बाइबिल थी उन्होनो तकरीबन 180 प्रतिमाँ तीन सालो मे बनाई।

Date:
P. No:

प्रश्न-14 वेलम सतह के बारे में संक्षिप्त समझाइए ?

वेलम सतह :- वेलम चर्मपत्र या जानवरों के चमड़े से बनी लेखन सतह है, मुद्रित किताबों को सस्ती, अश्लील मानने वाले, कुलीन वर्गों के लिए छपी किताबों के विलासी संस्करण बेशकीमती वेलम पर ही छपते थे।

प्रश्न-15 मुद्रण संस्कृति ने भारत में राष्ट्रवाद के विकास में क्या मदद की?

(i) प्रश्न के माध्यम से राष्ट्रवादियों के लिए अपने विचार को जन-जन तक पहुँचाना आसान हो गया।

(ii) कई देशभक्त साहित्यकारों ने भारतवासियों को मुद्रण के माध्यम से स्वतन्त्रता का मूल्य समझाया।

(iii) मुद्रण संस्कृति के विकास ने भारतीयों के आत्मगौरव और देश प्रेम को जागृत करके उन्हें स्वाधीनता के मार्ग की ओर अग्रसर किया।

प्रश्न-16 भारत में छपाई कौन लाया था?

"अथवा"

भारत में पहली पुस्तक किसने छापी

Date:
P. No:

उत्तर - प्रिंटिंग प्रेस सोलहवीं सदी में भारत में गोवा में पुर्तगाली धर्म प्रचारकों के साथ आया। जेसुइट पुजारियों ने कोंकणी सीखी और कई सारी पुस्तिकाएँ छापा।

प्रश्न 17 - धर्मसुधार आंदोलन में मार्टिन लूथर पर टिप्पणी लिखिए ?

उत्तर - मार्टिन लूथर ने रोमन कैथोलिक चर्च की कुरीतियों की आलोचना करते हुए अपनी 95 स्थापनाएँ लिखी। जिसकी एक प्रति विटेनबर्ग के चर्च के दरवाजे पर टाँगी गई।

प्रश्न 18 - राष्ट्रवादी समाचार-पत्रों के दमन में वर्नाकुलर प्रेस एक्ट की भूमिका को समझाइए [2024]

उत्तर - वर्नाक्युलर या देसी प्रेस एक्ट - 1857 के विद्रोह के बाद प्रेस की इस स्वतंत्रता के प्रति रवैया बदल गया। क्रुद्ध अंग्रेजों ने देसी प्रेस का मुँह बन्द करने की माँग की। जैसे-जैसे भाषायी समाचार-पत्र राष्ट्रवाद के समर्थन में मुखर होते गए वैसे-वैसे औपनिवेशिक सरकार में कड़े नियन्त्रण के प्रस्ताव पर तेज बहस होने लगी आइरिश प्रेस कानून के तर्ज पर

Date:
P. No:

1878 में वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लागू कर दिया गया। इससे सरकार को भाषायी प्रेस में छपी रिपोर्ट और सम्पादकीय को सेंसर करने का व्यापक अधिकार मिल गया। सरकार ने विभिन्न प्रदेशों से छपने वाले भाषाई अखबारों पर नियमित नजर रखना शुरू कर दी यदि किसी रिपोर्ट को बागी करार दिया जाता था तो अखबार को पहले चेतावनी दी जाती थी और अगर चेतावनी की अनसुनी हुई तो अखबार को जब्त किया जा सकता था और छपाई की मशीन छीन ली जा सकती थी।

प्रश्न 19 मुद्रण क्रांति और उसके प्रभाव की विवेचना कीजिए [2023]

"अथवा"

मुद्रण संस्कृति के दो परिणाम लिखिए

"अथवा"

मुद्रण क्रांति के बाद मौखिक संस्कृति का मुद्रित संस्कृति में समन्वय हुआ स्पष्ट कीजिए।

(1) छपाई क्रान्ति से पहले किताबें न केवल महँगी थी। बल्कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में छापना भी असम्भव था अब किताबें समाज के व्यापक तबकों तक पहुँच सकती थी।

(11) किताबें सिर्फ साक्षर ही पढ़ सकते थे और यूरोप के अधिकांश देश में बीसवीं सदी तक साक्षरता दर सीमित थी। इसके लिए उन्हें मुद्रित क्रांति का व्यापक पहुँच का ध्यान रखना था। जो नहीं पढ़ पाते थे, वे भी बोलकर पढ़े गए को सुनकर इसका लाभ उठाते थे। इस प्रकार सामग्री मौखिक संस्कृति मुद्रित संस्कृति में दाखिल हुई और छपा सामग्री मौखिक अन्दाज में प्रसारित हुई।